परिवार और समाज की जागरुकता से ही मातृ मृत्यु से मिलेगी निजात : डॉ. तमकीन

जौनपुर। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रायोजित एवं व्यवसाय प्रबंधन विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय और सेंटर फॉर एकेडमिक लीडरशिप एंड एजुकेशन मैनेजमेंट,अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालया के द्वारा सात दिवसीय ऑनलाइन एकडमिक नेतृत्व प्रशिक्षण कोर्स के पाँचवे दिन महिला प्रजनन स्वास्थ्य एवं लिंग और भाषा के बारे से चर्चा हुई। पहले सत्र में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की जे.एन. मेडिकल कॉलेज की ऑब्जत्रेटिक्स एवं गायनाइकलॉजी विभाग की पूर्व चेयरपर्सन डॉ. तमकीन खान ने गर्भावस्था और बच्चे का जन्म के दौरान होने वाले चिकित्सकीय समस्याओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। रजोनिवृत्ति, बांझपन और घरेलू हिंसा का विस्तृत जानकारी देते हुए डॉ. खान ने कहा का हर दिन 800 महिलाओं की मातृ मृत्यु होती ह। विश्व की एक तिहाई मातृ मृत्यु भारत और नाइजेरिया में होती है। विलम्ब निर्णय, विलम्ब परिवहन एवं विलंबित चिकित्सालय सुविधा मिलना मातृ मृत्यु के मुख्य तीन कारण है। कार्यक्रम के समन्वयक, डॉ. मुराद अली ने संचालन किया एवं सैय्यद मजहर जैदी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। मौके पर डॉ. ओमप्रकाश मिश्रा, डॉ. राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, डॉ. संतोष कुमार सिंह, डॉ. विक्रांत उपाध्याय, डॉ. योगेश चंद्र, डॉ. मुकुल लावण्या, प्रदीप सिंह आदि उपस्थित रहे।

समान अधिकार और अवसर से होगी लैंगिक समानता

जौनपुर | निज संवाददाता

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रायोजित एवं व्यवसाय प्रबंधन विभाग, पूर्वांचल विवि और सेंटर फॉर एकेडमिक लीडरशिप एंड एजुकेशन मैनेजमेंट (क्लेम) अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय द्वारा सात दिवसीय ऑनलाइन एकेडमिक नेतृत्व प्रशिक्षण कोर्स का उद्घाटन मंगलवार को हुआ। शीर्षक लैंगिक समानता रहा।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि समाज में महिलाओं को समान अधिकार, समान संसाधन, समान अवसर एवं समान सुरक्षा से ही लैंगिक समानता हासिल की जा सकती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं के प्रतिभाग को बढ़ाना चाहिए। भारत में केवल 6.6 प्रतिशत विश्वविद्यालय में महिला कुलपति नेतृत्व कर रही हैं। केंद्रीय विवि में यह संख्या 9.8 प्रतिशत है। जबकि राज्य विश्वविद्यालय में केवल 8.61 प्रतिशत कुलपति महिलाएं हैं। आईआईटी, आईआईएम जैसे राष्ट्रीय महत्वपूर्ण संस्थाओं में 5.47 प्रतिशत महिला कुलपति कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि सेलेक्शन कमेटी में कम महिला का होना, महिलाओं की रुचि में केवल शिक्षण का होना एवं प्रशासनिक पदों पर आवेदन ना करना आदि उच्च शिक्षा में लैंगिक असमानता के कारणों में है।

कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की

कार्यक्रम समन्वयक व्यवसाय प्रबंधन के विभागाध्यक्ष डॉ.मुराद अली ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। अतिथियों का स्वागत एएमयू अलीगढ़ के यूजीसी एचआरडीसी की सहायक निदेशक डा.फैज अब्बासी ने किया। कार्यक्रम का उद्देश्य डॉ.जूही गुप्ता ने प्रस्तुत किया। संचालन सैय्यद मजहर जैदी व धन्यवाद ज्ञापन डॉ.मुराद अली ने किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में छह राज्यों से 90 कॉलेज एवं विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रतिभाग कर रहे हैं। इस अवसर पर प्रो.बीबी मलिक, डॉ. संतोष कुमार सिंह, डॉ.राजेंद्र प्रसाद गुप्त, डॉ.प्रदीप सिंह, डॉ.रसिकेश, डॉ.प्रमेंद्र विक्रम सिंह, डॉ.सुशील कुमार सिंह, डॉ.आशुतोष कुमार सिंह अन्य रहे।

भारत व राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त

तेजस टूडे

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मुख्य संस्करण (जौनपुर) पृष्ठ 08, मूल्य 2 रुपये

नजर सब पर...

4 फाइव स्टार कल्चर वाले 'आंदोलनों' का बढ़ता चलन

वर्ष 12, अंक 96, गुरूवार , 18 मार्च, 2021

रूढ़िवादी छवि से ही पनपती है लैंगिक असमानताः प्रो. भारती 8

रूढ़िवादी छवि से ही पनपती है लैंगिक असमानताः प्रो. भारती

वैदिक काल से ही महिलाएं सशक्तः प्रो. शिरीन मूसवी

सिद्दीकपुर, जौनपुर (टीटीएन) 17 मार्च।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रायोजित एवं व्यवसाय प्रबंधन विभाग वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय और सेंटर फॉर एकेडमिक लीडरशिप एंड एजुकेशन मैनेजमेंट, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय द्वारा सात दिवसीय ऑनलाइन एकेडमिक नेतृत्व प्रशिक्षण कोर्स के दूसरे दिन लैंगिक रूढ़िबद्ध धारण छवि एवं भारतीय महिलाओं के इतिहास पर चर्चा हुई। पहले सत्र में मद्रास विश्वविद्यालय अंग्रेजी विभाग की प्रोफेसर भारती हरिशंकर ने कहा कि महिलाओं की रूढ़िबद्ध धारणा से उनकी नकारात्मक छवि बनती है जिससे लैंगिक असमानता पैदा होती है। यह रूढ़िबद्ध धारण छवि को कुछ समय बाद सामान्य छवि के रूप में प्रक्षेपण किया जाता है और महिलाएं हमेशा इसी रूढ़िबद्ध धारण छवि में कैद हो जाती है। प्रोफेसर भारती ने उदाहरण के साथ बताया कि गृहणी महिलाओं की कामकाज का कोई आर्थिक मूल्य नहीं दिया जाता है। जातिवाद, भाषावाद, शहरी-ग्रामीण भिन्नता आदि भी महिलाओं के रूढ़िबद्ध धारण छवि को प्रोत्साहित करती हैं। वित्तीय सहायता, कौशल विकास प्रशिक्षण, कानूनी प्रावधान आदि से महिलाओं को रूढ़िबद्ध धारण छवि से मुक्ति मिल सकती है एवं लैंगिक समानता की राह में एक सफल प्रयास होगा। दूसरे सत्र में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की इतिहास की प्रोफेसर शिरीन मूसवी ने भारतीय महिलाओं के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत में वैदिककाल से हीं महिलाएं सशक्त थी। भारत में जहाँ दुर्गा, लक्ष्मी, सरस्वती को पूजा जाता है। वहीं इतिहास ने रानी लक्ष्मी बाई, रजिया सुल्तान, मदर टेरेसा जैसे शख्शियत को भी नवाजा है। अगर समाज की सोच महिलाओं के प्रति सकारात्मक हो तो, हम हर घर से इंद्रा नूयी, किरण मजूमदार शा, सानिया मिर्जा जैसे बेटियां को समाज में ला सकते है जिससे लैंगिक समानता हासिल करने में मदद मिलेगी। संचालन सैय्यद मजहर जैदी एवं कार्यक्रम समन्वयक डा. मुराद अली ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर डा. वंदना दुबे, डा. रसिकेश, सुशील कुमार, डा. सुशील कुमार सिंह, डा. देवेश त्रिपाठी, प्रांकुर शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

शेड, पशु शेड, इज्ज़त घर, मुख्यमंत्री आवास योजना एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत विभिन्न लोगों के यहां आवास का निर्माण, आने जाने के लिए इंटरलॉकिंग मार्ग का निर्माण कार्य करवाया गया है। जिससे हमारे बस्ती के लोगों मे प्रधान के प्रति खुशी व्याप्त है।

व्यक्ति ने नजर में वह सफल प्रधान रहें है और पंचवर्षीय कार्यकाल में 75 लोगों के यहां हैण्डपंप का चबूतरा का निर्माण कार्य, बड़ी संख्या में हैंडपंप मरम्मत का कार्य एवं 25 हैंडपंप को रिबोर करवाया गया। गरीब परिवारों के यहां पशु शेड, 20 परिवारों के यहां बकरी शेड, गांव की हरिजन बस्ती में विद्युतीकरण का काम भी प्रधान के प्रयास से ही हुआ। प्राथमिक

कार्यों का जितनी सराहना की जाए ही कम है।

विद्यालय में कायाकल्प योजना के तहत दिव्यांग शौचालय का निर्माण, कक्षाओं में टाइल्स समेत विभिन्न कार्य करवाया गया। प्रत्येक रोजगार धारक को 100 दिन का कार्य दिलवाया गया। राष्ट्रीय सनिर्माण कर्मकार विभाग मे 16मजदूरों का रजिस्ट्रेशन करवाया गया।

इन सब के अलावा प्रधान पति आनंद सेठ ने बताया कि अपने निजी खर्चे से गांव के विकास के लिए विभिन्न कामों में जिसमें 30 लोगों के यहां हैंडपंप का कार्य किया गया। घनश्यामपुर बाजार समेत विभिन्न बस्तियों में 25 सोलर व 50 स्टील लाइट और बाजार में निजी खर्चे से विद्युत वायर का बदलाव करवाया

बस्ता के कुछ गराब परिवारों के कन्याओं की शादी में कलाई घड़ी दिया गया। इन्हीं बस्तियों की दो कन्याओं की शादी में साइकिल व पांच कन्याओं की शादी में पंखा दिया गया।

बाजार में स्थित दो मंदिरों पर प्रधान के द्वारा निजी खर्चे से इन्वर्टर लगवाया गया। प्रधान पति आनंद सेठ ने कहा कि अगर जनता दुबारा से मौका देगी तो गांव के लिए बचे हुए कार्य जैसे अनुसूचित बस्ती में इंटरलॉकिंग कार्य, खंभों पर स्ट्रीट लाइट, घनश्यामपुर बाजार के चौराहे पर साइड फुटपाथ पर इंटरलॉकिंग व बची हुई नाली निर्माण, मदापुर रोड पर इंटरलॉकिंग कार्य, मुख्य सड़क से ब्राह्मण बस्ती जाने वाली मार्ग पर इंटरलॉकिंग का कार्य समेत ऐसे तमाम कार्य कराने है।

महिलाओं की सहभागिता से ही समवेशी उच्च शिक्षा संभव : डॉ.फैज़ा अब्बासी

महिलाओं के प्रति प्रोत्साहन का मनोभाव रखें समाज : प्रो.निर्मला एस.मौर्य

जौनपुर धारा

जौनपुर। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रायोजित एवं व्यवसाय प्रबंधन विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय और सेंटर फॉर एकेडमिक लीडरशिप एण्ड एजुकेशन मैनेजमेंट, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के द्वारा सात दिवसीय ऑनलाइन एकेडमिक नेतृत्व प्रशिक्षण कोर्स के अंतिम दिवस उच्च शिक्षा पर विस्तार से चर्चा हुई।

प्रशिक्षण समापन कार्यक्रम में अपना सन्देश देते हुए, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.निर्मला एस.मौर्य ने उच्च शिक्षा के कई आयाम से प्रतिभागियों को रूबरू कराया। उन्होंने कहा की उच्च शिक्षा में गुणवत्ता लाने के लिए महिलाओं का प्रतिभाग जरुरी है। छात्राएं उच्च शिक्षा में छात्रों से बेहतर प्रदर्शन करती है, लेकिन जब बात उच्च शिक्षा संस्थानों के शैक्षणिक या प्रशासनिक पद की होती है, तब महिलाओं का अनुपात बहुत कम हो जाता है। अगर इन पदों पर महिलाओं की पर्याप्त संख्या होगी तब ही उच्च शिक्षा समवेशी हो सकती है। इसके लिए परिवार और समाज का प्रोत्साहनात्मक मनोभाव जरुरी है।

नई शिक्षा नीति इस समस्या को काफी हद तक समाधान देता है। इससे पहले सेंटर फॉर एकेडमिक लीडरशिप एण्ड एजुकेशन मैनेजमेंट, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की सहायक निदेशिका डॉ.फैज़ा अब्बासी ने उच्च शिक्षा में गुणवत्ता बढ़ाने के लिए कई विकल्प प्रस्तुत किए। उच्चतम प्रबंधन का समर्थन, अकादमिक सत्यनिष्ठा, निरंतर प्रशिक्षण एवं विकास, रिसर्च अनुदान एवं विविधता और न्यायसम्य को बढ़ावा देने से उच्च शिक्षा का कायाकल्प में सुधार आएगा। अपने स्वागत सन्देश में सेंटर फॉर एकेडमिक लीडरशिप एण्ड एजुकेशन मैनेजमेंट अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की निदेशक प्रोफेसर ए.आर.किदवई ने कहा की कालेम द्वारा आयोजित ऐसे कार्यक्रमों से ना कि सिर्फ प्रतिभागियों को अपना अकादमी स्कोर बढ़ाने का मौका मिलता है, बल्कि कई संवेदनशील मुद्दे से उनको सेंसिटाइज़ कराया जाता है। डॉ.वंदना दुबे ने प्रतिभागियों की प्रतिपुष्टि प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के समन्वयक, डॉ.मुराद अली ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का रिपोर्ट प्रस्तुत एवं संचालन किया। इस अवसर पर महफूज आलम अंसारी, कनक सिंह, ओम प्रकाश मिश्रा, मुकुल लवानिया, डॉक्टर रसिकेश, डॉ.पीवी सिंह, डॉ.नीरज अवस्थी, डॉ.संजीव गंगवार, डॉ.कृष्ण कुमार ओझा, डॉ.राजेंद्र प्रसाद गुप्ता इत्यादि ने प्रतिभाग किया।

विश्व भूजल दिवस पर लोगों ने जल बचाने का

प्रदेश सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने पर सिकरारा ब्लॉक परिसर में कार्यक्रम

जौनपुर धारा

सिकरारा। प्रदेश सरकार के चार वर्ष पूरे होने पर ब्लाक मुख्यालय में सोमवार को महिला सशक्तीकरण आत्मनिर्भरता जागरूकता व विश्व भूजल दिवस पर जल शक्ति

परिवार और समाज की जागरुकता से ही मातृ मृत्यु से मिलेगी निजात : डॉ. तमकीन

जौनपुर। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रायोजित एवं व्यवसाय प्रबंधन विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय और सेंटर फॉर एकेडमिक लीडरशिप एंड एजुकेशन मैनेजमेंट,अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालया के द्वारा सात दिवसीय ऑनलाइन एकडमिक नेतृत्व प्रशिक्षण कोर्स के पाँचवे दिन महिला प्रजनन स्वास्थ्य एवं लिंग और भाषा के बारे से चर्चा हुई। पहले सत्र में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की जे.एन. मेडिकल कॉलेज की ऑब्जत्रेटिक्स एवं गायनाइकलॉजी विभाग की पूर्व चेयरपर्सन डॉ. तमकीन खान ने गर्भावस्था और बच्चे का जन्म के दौरान होने वाले चिकित्सकीय समस्याओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। रजोनिवृत्ति, बांझपन और घरेलू हिंसा का विस्तृत जानकारी देते हुए डॉ. खान ने कहा का हर दिन 800 महिलाओं की मातृ मृत्यु होती ह। विश्व की एक तिहाई मातृ मृत्यु भारत और नाइजेरिया में होती है। विलम्ब निर्णय, विलम्ब परिवहन एवं विलंबित चिकित्सालय सुविधा मिलना मातृ मृत्यु के मुख्य तीन कारण है। कार्यक्रम के समन्वयक, डॉ. मुराद अली ने संचालन किया एवं सैय्यद मजहर जैदी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। मौके पर डॉ. ओमप्रकाश मिश्रा, डॉ. राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, डॉ. संतोष कुमार सिंह, डॉ. विक्रांत उपाध्याय, डॉ. योगेश चंद्र, डॉ. मुकुल लावण्या, प्रदीप सिंह आदि उपस्थित रहे।

शेड, पशु शेड, इज्ज़त घर, मुख्यमंत्री आवास योजना एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत विभिन्न लोगों के यहां आवास का निर्माण, आने जाने के लिए इंटरलॉकिंग मार्ग का निर्माण कार्य करवाया गया है। जिससे हमारे बस्ती के लोगों मे प्रधान के प्रति खुशी व्याप्त है।

व्यक्ति ने नजर में वह सफल प्रधान रहें है और पंचवर्षीय कार्यकाल में 75 लोगों के यहां हैण्डपंप का चबूतरा का निर्माण कार्य, बड़ी संख्या में हैंडपंप मरम्मत का कार्य एवं 25 हैंडपंप को रिबोर करवाया गया। गरीब परिवारों के यहां पशु शेड, 20 परिवारों के यहां बकरी शेड, गांव की हरिजन बस्ती में विद्युतीकरण का काम भी प्रधान के प्रयास से ही हुआ। प्राथमिक

कार्यों का जितनी सराहना की जाए ही कम है।

विद्यालय में कायाकल्प योजना के तहत दिव्यांग शौचालय का निर्माण, कक्षाओं में टाइल्स समेत विभिन्न कार्य करवाया गया। प्रत्येक रोजगार धारक को 100 दिन का कार्य दिलवाया गया। राष्ट्रीय सनिर्माण कर्मकार विभाग मे 16मजदूरों का रजिस्ट्रेशन करवाया गया।

इन सब के अलावा प्रधान पति आनंद सेठ ने बताया कि अपने निजी खर्चे से गांव के विकास के लिए विभिन्न कामों में जिसमें 30 लोगों के यहां हैंडपंप का कार्य किया गया। घनश्यामपुर बाजार समेत विभिन्न बस्तियों में 25 सोलर व 50 स्टील लाइट और बाजार में निजी खर्चे से विद्युत वायर का बदलाव करवाया

बस्ता के कुछ गराब परिवारों के कन्याओं की शादी में कलाई घड़ी दिया गया। इन्हीं बस्तियों की दो कन्याओं की शादी में साइकिल व पांच कन्याओं की शादी में पंखा दिया गया।

बाजार में स्थित दो मंदिरों पर प्रधान के द्वारा निजी खर्चे से इन्वर्टर लगवाया गया। प्रधान पति आनंद सेठ ने कहा कि अगर जनता दुबारा से मौका देगी तो गांव के लिए बचे हुए कार्य जैसे अनुसूचित बस्ती में इंटरलॉकिंग कार्य, खंभों पर स्ट्रीट लाइट, घनश्यामपुर बाजार के चौराहे पर साइड फुटपाथ पर इंटरलॉकिंग व बची हुई नाली निर्माण, मदापुर रोड पर इंटरलॉकिंग कार्य, मुख्य सड़क से ब्राह्मण बस्ती जाने वाली मार्ग पर इंटरलॉकिंग का कार्य समेत ऐसे तमाम कार्य कराने है।

महिलाओं की सहभागिता से ही समवेशी उच्च शिक्षा संभव : डॉ.फैज़ा अब्बासी

महिलाओं के प्रति प्रोत्साहन का मनोभाव रखें समाज : प्रो.निर्मला एस.मौर्य

जौनपुर धारा

जौनपुर। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रायोजित एवं व्यवसाय प्रबंधन विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय और सेंटर फॉर एकेडमिक लीडरशिप एण्ड एजुकेशन मैनेजमेंट, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के द्वारा सात दिवसीय ऑनलाइन एकेडमिक नेतृत्व प्रशिक्षण कोर्स के अंतिम दिवस उच्च शिक्षा पर विस्तार से चर्चा हुई।

प्रशिक्षण समापन कार्यक्रम में अपना सन्देश देते हुए, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.निर्मला एस.मौर्य ने उच्च शिक्षा के कई आयाम से प्रतिभागियों को रूबरू कराया। उन्होंने कहा की उच्च शिक्षा में गुणवत्ता लाने के लिए महिलाओं का प्रतिभाग जरुरी है। छात्राएं उच्च शिक्षा में छात्रों से बेहतर प्रदर्शन करती है, लेकिन जब बात उच्च शिक्षा संस्थानों के शैक्षणिक या प्रशासनिक पद की होती है, तब महिलाओं का अनुपात बहुत कम हो जाता है। अगर इन पदों पर महिलाओं की पर्याप्त संख्या होगी तब ही उच्च शिक्षा समवेशी हो सकती है। इसके लिए परिवार और समाज का प्रोत्साहनात्मक मनोभाव जरुरी है।

नई शिक्षा नीति इस समस्या को काफी हद तक समाधान देता है। इससे पहले सेंटर फॉर एकेडमिक लीडरशिप एण्ड एजुकेशन मैनेजमेंट, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की सहायक निदेशिका डॉ.फैज़ा अब्बासी ने उच्च शिक्षा में गुणवत्ता बढ़ाने के लिए कई विकल्प प्रस्तुत किए। उच्चतम प्रबंधन का समर्थन, अकादमिक सत्यनिष्ठा, निरंतर प्रशिक्षण एवं विकास, रिसर्च अनुदान एवं विविधता और न्यायसम्य को बढ़ावा देने से उच्च शिक्षा का कायाकल्प में सुधार आएगा। अपने स्वागत सन्देश में सेंटर फॉर एकेडमिक लीडरशिप एण्ड एजुकेशन मैनेजमेंट अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की निदेशक प्रोफेसर ए.आर.किदवई ने कहा की कालेम द्वारा आयोजित ऐसे कार्यक्रमों से ना कि सिर्फ प्रतिभागियों को अपना अकादमी स्कोर बढ़ाने का मौका मिलता है, बल्कि कई संवेदनशील मुद्दे से उनको सेंसिटाइज़ कराया जाता है। डॉ.वंदना दुबे ने प्रतिभागियों की प्रतिपुष्टि प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के समन्वयक, डॉ.मुराद अली ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का रिपोर्ट प्रस्तुत एवं संचालन किया। इस अवसर पर महफूज आलम अंसारी, कनक सिंह, ओम प्रकाश मिश्रा, मुकुल लवानिया, डॉक्टर रसिकेश, डॉ.पीवी सिंह, डॉ.नीरज अवस्थी, डॉ.संजीव गंगवार, डॉ.कृष्ण कुमार ओझा, डॉ.राजेंद्र प्रसाद गुप्ता इत्यादि ने प्रतिभाग किया।

विश्व भूजल दिवस पर लोगों ने जल बचाने का

प्रदेश सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने पर सिकरारा ब्लॉक परिसर में कार्यक्रम

जौनपुर धारा

सिकरारा। प्रदेश सरकार के चार वर्ष पूरे होने पर ब्लाक मुख्यालय में सोमवार को महिला सशक्तीकरण आत्मनिर्भरता जागरूकता व विश्व भूजल दिवस पर जल शक्ति

महिलाओं की सहभागिता से समवेशी उच्च शिक्षा संभव

बोलीं डा. फैजा

महिलाओं के प्रति प्रोत्साहन का मनोभाव रखें समाज : प्रो. निर्मला एस. मौर्य

जनसंदेश टाइम्स
वर्गीकृत
सूचना

मेरा हाईस्कूल वर्ष 1992 अनुक्रमांक 1034400 का प्रमाण पत्र और अंक पत्र रास्ते में खो गया है। [illegible] पुत्री [illegible], ग्राम-पोस्ट [illegible], जिला-गाजीपुर।

मेरे पिता का नाम हाईस्कूल में [illegible] की जगह [illegible] दर्ज हो गया है जबकि उनका सही नाम [illegible] है। [illegible]

मेरा हाईस्कूल वर्ष 2004 अनुक्रमांक 2307854, इण्टरमीडिएट वर्ष 2006 अनुक्रमांक 1863148 एवं [illegible] वर्ष 2007 अनुक्रमांक 1550742 का ओरिजनल व प्रमाण पत्र खो गया है। [illegible]

जौनपुर। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रायोजित एवं व्यवसाय प्रबंधन विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय और सेंटर फॉर एकेडमिक लीडरशिप एंड एजुकेशन मैनेजमेंट, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के द्वारा सात दिवसीय ऑनलाइन एकेडमिक नेतृत्व प्रशिक्षण कोर्स के अंतिम दिवस उच्च शिक्षा पर विस्तार से चर्चा हुई।

प्रशिक्षण समापन कार्यक्रम में अपना सन्देश देते हुए वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.निर्मला एस. मौर्य ने उच्च शिक्षा के कई आयाम से प्रतिभागियों को रूबरू कराया। उन्होंने कहाकि उच्च शिक्षा में गुणवत्ता लाने के लिए महिलाओं का प्रतिभाग जरूरी है। छात्राएं उच्च शिक्षा में छात्रों से बेहतर प्रदर्शन करती हैं, लेकिन जब बात उच्च शिक्षा संस्थानों के शैक्षणिक या प्रशासनिक पद की होती है, तब महिलाओं का अनुपात बहुत कम हो जाता है।

अगर इन पदों पर महिलाओं की पर्याप्त संख्या होगी तब ही उच्च शिक्षा समावेशी हो सकती है। इसके लिए परिवार और समाज का प्रोत्साहनात्मक मनोभाव जरूरी है। नई शिक्षा नीति इस समस्या को काफी हद तक समाधान देता है। इससे पहले सेंटर फॉर एकेडमिक लीडरशिप एंड एजुकेशन मैनेजमेंट, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की सहायक निदेशिका डॉ. फैजा अब्बासी ने उच्च शिक्षा में गुणवत्ता बढ़ाने के लिए कई विकल्प प्रस्तुत किए।

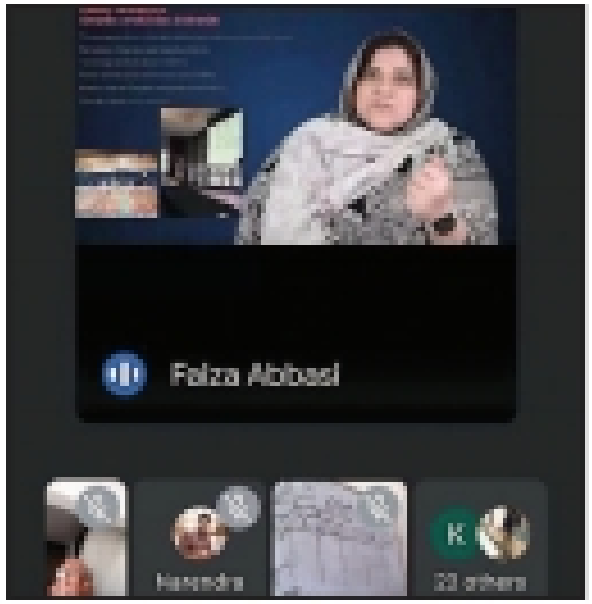

उच्चतम प्रबंधन का समर्थन, अकादमिक स्वायत्तता, निरंतर प्रशिक्षण एवं विकास, रिसर्च अनुदान, एवं चिकित्सा और न्यायसाम्य को बढ़ावा देने से उच्च शिक्षा का कायाकल्प में सुधार आएगा। अपने स्वागत सन्देश में सेंटर फॉर एकेडमिक लीडरशिप एंड एजुकेशन मैनेजमेंट अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की निदेशक प्रोफेसर ए.आर. किदवई ने कहाकि कालेज द्वारा आयोजित ऐसे कार्यक्रमों से ना कि सिर्फ प्रतिभागियों को अपना अकादमी स्कोर बढ़ाने का मौका मिलता है, बल्कि कई संवेदनशील मुद्दे से उनको सेंसिटाइज कराया जाता है। डॉ. वंदना दुबे ने प्रतिभागियों की प्रतिपुष्टि प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. मुनार अली ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का रिपोर्ट प्रस्तुत एवं संचालन किया। सैयद मजहर जैदी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर महफूज आलम अंसारी, कनक सिंह, ओम प्रकाश मिश्रा, मुकुल सक्सेना डॉक्टर रविकेश, डॉ. पीकी सिंह, डॉक्टर नीरज अवस्थी, डॉ.संजीव गंगवार, डॉ.कृष्ण कुमार ओझा डॉ. राजेंद्र प्रसाद गुप्ता इत्यादि ने प्रतिभाग किया।

ऑनलाइन चर्चा करतीं डा. फैजा अब्बासी व अन्य।

जनसंदेश टाइम्स

वाराणसी, मंगलवार, 23 मार्च, 2021

गगन कालेज में एकेडमिक लीडरशिप कोर्स फार टीचर्स कार्यक्रम का समापन

अलीगढ़। गगन कालेज आफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलाजी में आनलाइन एकेडमिक लीडरशिप कोर्स फार टीचर्स कार्यक्रम का समापन हो गया।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा के कुलपति प्रो. अशोक मित्तल व यूजीसी एकेडमिक स्टाफ कालेज के निदेशक प्रो. एआर किदवई तथा महाविद्यालय की निदेशक शशिबाला शर्मा ने किया। प्रो. मित्तल ने शिक्षकों को पढ़ाने की विधियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मो. आसिफ खान ने किया। इस मौके पर डीन गिरीश शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर सुनीता गुप्ता, कार्यक्रम संयोजक अखिल शर्मा, भावना आनंद तथा सीमा शर्मा आदि मौजूद थीं। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अंशू सक्सेना ने अतिथियों का आभार जताया।

व्यावसायिक गतिविधि

शिहान मतीउर्रहरमान का सम्मान